AIDS InfoNet www.aidsinfonet.org

एड्स क्या है?

(What is AIDS)

SAATHII Solidarity and Action Against The HIV Infection in India

Fact Sheet Number 101
फैक्टशीट संख्या 101

एड्स शब्द का क्या अर्थ है?

- एड्स शब्द का विस्तार एक्आयर्ड इम्यून डेफिसियेंसी सिंड्रोम है।
- एक्आयर्ड का अर्थ है कि आप इससे संक्रमित हो सकते हैं।
- इम्यून डेफिसियेंसी का अर्थ शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति जो कि बिमारीयों से लड़ती है उसका कामजोर होना है।
- सिंड्रोम का अर्थ अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का समूह जो कि बिमारियों को पैदा करता है।

एड्स एक प्रकार के विषाणु से फैलता है जिसे एच.आई.वी. कहते हैं तथा इसका पूरा नाम हयुमन इम्यून डेफिसियेंसी वायरस है। यदि आप एच.आई.वी. से संक्रमित होते हैं तो आपका शरीर संक्रमणों से लड़ने का प्रयास करेगा। यह विशेष प्रकार के एंटिबॉडिज बनाता है जो कि एच.आई.वी.से लड़ते है। रक्त की जाँच करने से एंटिबॉडिज का पता चलता है। यदि आपके रक्त में एंटिबॉडिज पाये जाते हैंतो इसका अर्थ ये है की आपको एच.आई.वी. संक्रमण है। जिन लोगों में एच.आई.वी. एंटिबॉडिज पाये जाते हैं उन्हें एच.आई.वी. से संक्रमित कहा जाता है। फैक्टशीट 102 में एच.आई.वी.जाच पर अधिक जानकारी दी गई है।

एच.आई.वी. संक्रमित होना या एच.आई.वी. से संक्रमण होने का अर्थ एड्स होना नहीं है। अनेक लोग एच.आई.वी. संक्रमित हैं पर कई वर्षों तक वो बिमार नहीं पड़ते। एच. आई.वी.के उपस्थित रहने से धीरे–धीरे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ने लगति है। यदि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षतिग्रस्त हो गई है तो विषाणु, परजीवी, कवक और जीवाणु जो सामान्यतः कोई समस्या नहीं पैदा करते हैं, वो आपको बिमार कर सकते हैं। इन्हें अवसरवादी संक्रमण कहा जाता है। एसी स्थिति में सी.डी. फोर (CD4) कोशिकाएँ जो कि रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए जिम्मेदार होती हैं उनमें धीरे–धीरे कमी आ जाती हैं यदि सही प्रकार से उपचार न किया जाये। एक एसी अवस्था में जब में सी.डी.फोर कोशिकों की संख्या रक्त में प्रति माइक्रो लीटर 200 या उससे कम हो जाती है तो उसे एड्स कहा जाता है। अवसरवादी संक्रमणों के विषय में जानकारी के लिए फैक्ट शीट 500 देखें।

एड्स कैसे होता है?

वास्तव में आपको एड्स नहीं होता है। आप एच.आई.वी. से संक्रमित हो जाते हैं और उसके पश्चात आप को एड्स हो जाता है। आपको एच.आई.वी.संक्रमण किसी भी व्यक्ति से हो सकता है जो की एच.आई.वी. संक्रमित है, यहाँ तक की न तो वह देखने में बिमार लगेगा और न ही अभी तक एच.आई.वी.की जाँच में वह संक्रमित ही पाया गया है।

एच.आई.वी. से संक्रमित व्यक्ति के रक्त, योनी स्राव, वीर्य, तथा माँ के दूध में पर्याप्त विषाणु होते हैं जो अन्य व्यक्तियों को भी संक्रमित कर सकते हैं।

अधिकांश व्यक्तियों में एच.आई.वी. का विषाणु फैलने के कारण हैं:

- एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध स्थापित करने से।
- एच.आई.वी. संक्रमित सुई (नशीली दवाओं के इंजेक्शन) के आपसी प्रयोग से
- एच.आई.वी. संक्रमित माँ से जन्मे बच्चे को, या जन्म के बाद एच.आई.वी.संक्रमित माँ के दूध पीने से।

एच.आई.वी. संक्रमित रक्त चढ़ने से एच.आई.वी.संक्रमण फैलना भी एक कारण रहा है, परन्तु अब रक्त की आपूर्ति

बहुत ही सावधानी से होती है तथा जोख़िम भी बहुत कम हो गया है।

अभी तक ऑसू या लार से एच.आई.वी. संक्रमण फैलने का कोई प्रमाण नहीं है परन्तु मुख मैथून एवं कभी–कभी गैहरे चुम्बन, विशेषकर जब की मुँह में छाले हों या मसूणों से रक्त आता हो, से भी एच.आई.वी. संक्रमण फैलना संभाव है। अधिक जानकारी के लिए फैक्ट शीट देखें।

- 150: एच.आई.वी. के फैलने को रोकना
- 151: सुरक्षित यौन मार्गदर्शिका
- 152: यह कितना जोख़िमपूर्ण है?

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) के अनुसार वर्ष 2006 में भारत में 24.7 लाख लोग एच.आई.वी.के साथ जी रहे हैं। इनमें से 4 प्रतिशत बच्चे, 8 प्रतिशत 49 वर्ष की आयु से उपर के तथा शेष 88 प्रतिशत 15–49 वर्ष की आयु समूह के हैं। आई.डी.यू., एम.एस.एम., एफ.एस.डब्लू. लम्बी दूरी पर यात्रा करने वाले ट्रक चालक तथा सामन्य जनसंख्या में एच.आई.वी. के होने की दर (प्रिवलेंस) क्रमशः 8.7 प्रतिशत, 5.7 प्रतिशत, 5.4 प्रतिशत, 2.4 प्रतिशत एवं 0.3 प्रतिशत है।

अधिक जानकारी के लिए नाको की वैब साइट देखें– www.nacoonline.org

क्या होगा यदि मैं एच.आई.वी. संक्रमित हूँ?

आपको पता भी न हो की आप एच.आई.वी.से संक्रमित हैं। कुछ लोगों में बुखार, सिर दर्द, मासपेशियों और जोड़ों में दर्द, पेट में दर्द, लिम्फ ग्रंथीयों में सूजन या त्वचा में चकत्ते संक्रमण के कुछ दिन या सप्ताह के भीतर आ जाते हैं। अधिकांश लोग इसे साधारण फ्लयू समझते हैं। कुछ लोगों में कोई लक्षण नहीं मिलता। फैक्ट शीट 103 में एच.आई.वी.संक्रमण के शुरू के चरण कि अधिक जानकारी है।

आपके रोग प्रतिरोधक तंत्र के जवाब देने से पहले विषाणु आपके शरीर में कुछ सप्ताह या महिनों तक बढ़ेगा। इस अवधि में आप एच.आई.वी. जाँच में संक्रमित नहीं पाये जायेंगे परन्तु आप अन्य लोगों को संक्रमित कर सकते हैं।

जब आपके शरीर का प्रतिरोधक तंत्र काम करता है तो वह एच.आई.वी.विशेष एंटीबॉडीज का निर्माण करने लगता है। जब एसा होता है तब आप एच.आई.वी. जाँच में संक्रमित पाये जाते हैं। प्रारंभिक फ्लयू जैसे लक्षण आने के बाद कुछ लोग 10 वर्ष या उससे अधिक समय तक भी स्वस्थ बने रहते हैं। परन्तु इस अवधि में एच.आई.वी. उनके शरीर के रोगप्रतिरोधक तंत्र को नष्ट करता रहता है।

शरीर के रोग प्रतिरोधक तंत्र की क्षति को सी.डी.फोर. कोशिकाओं की गणना करके मापा जा सकता है। इन कोशिकाओं को टी हैल्पर कोशिका कहते हैं और ये रोग प्रतिरोधक तंत्र का महत्वपूर्ण अंग है। स्वस्थ लोगों के रक्त मेंसी.डी.फोर. कोशिकाओं की संख्या 500 से 1500 प्रति मिलि लीटर होती है। फैक्ट शीट 124 में सी.डी.फोर. कोशिकाओं पर अधिक जानकारी है।
बिना उपचार के आपके शरीर के सी.डी.फोर.कोशिकाओं की संख्या में कमी आ जाती है। आपमें बिमारी के कुछ लक्षण जैसे बुखार, रात्रि में पसीना, डायरिया (दस्त) या लिम्फ ग्रंथियों में सूजन होना परिलक्षित हो सकता है। यदि आपको एच.आई.वी. संक्रमण है तो ये समस्याँए कुछ अधिक दिनों तक रहेंगी और संभवतः कई सप्ताहों तक रह सकती हैं।

कैसे पता चलेगा यदि मुझे एड्स है?

एच.आई.वी. संक्रमण एड्स बन सकता है जब आपका रोग प्रतिरोधक तंत्र नष्ट हो जाता है। यदि आप में सी.डी.फोर. कोशिकाओं की संख्या प्रति माइक्रो लीटर 200 से कम है या आपके सी.डी.फोर.कोशिकाओं का प्रतिशत 14 से कम है, तो आपको एड्स है। फैक्ट शीट 124 में सी.डी.फोर. कोशिकाओं पर अधिक जानकारी है। यदि आपको अवसरवादी संक्रमण होते हैं तो आपको एड्स है। सेंटर फॉर डीजीज कंट्रोल (सी.डी.सी.) ने अवसरवादी संक्रमणों की आधिकारिक सूची जारी की है। सबसे साधारण अवसरवादी संक्रमण हैं–

- पी.सी.पी. (नियुमोसिसटिस निमोनिया) फेफड़ों में होने वाला एक प्रकार का संक्रमण है, फैक्ट शीट 515 देखें।
- के.एस. (कापेसी सारकोमा) त्वचा में होने वाला एक प्रकार कैंसर है, फैक्ट शीट 511 देखें।

- सी.एम.वी. (साइटोमेगालो वायरस), एक प्रकार का संक्रमण है जो की नेत्रों को प्रभावित करता है, फैक्ट शीट 504 देखें।
- कैंडिडा जो की एक प्रकार की कवक से होने वाला संक्रमण है उससे मुँह में सफेद परत, गले व योनी में संक्रमण हो जाता है, फैक्ट शीट 501 देखें।

http://www.nacoonline.org/Quick_Links/Publication/Treatment_Care__Support/Operational__Technical_guidelines_and_policies/Operational_Guidelines_for_ART_Centers/

एड्स से सम्बंधित रोगों में गंभीर रूप से वज़न कम होना, मस्तिष्क में ट्यूमर तथा अन्य स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याँए भी सिम्मलित हैं। उपचार न होने पर इन अवसरवादी संक्रमणों से मृत्यु हो सकती है। इससे सम्बंधित जानकारी के लिए ***NACO ART Guidelines for WHO Staging*** देखें।

एड्स का स्वरूप प्रत्येक संक्रमित व्यक्ति में भिन्न होता है। कुछ लोग संक्रमण होने के कुछ दिनों बाद ही मर जाते हैं पर अन्य लोग कई वर्षों तक सामान्य जीवन जी सकते हैं जबकी उन्हें एड्स हो चुका होता है।

कुछ एच.आई.वी. संक्रमित लोग बिना एंटीरिट्रोवायरल (ए. आर.वी.)दवाँए लिए भी कई वर्षों तक स्वस्थय रह सकते हैं।

एच.आई.वी. संक्रमण का शीघ्र पता चलने से जीवन की अवधि बढ़ जाती है।

क्या एड्स का कोई उपचार है?

एड्स का कोई उपचार नहीं है। कुछ एसी दवाईयाँ हैं जो कि विषाणु के बढ़ने की गति को कम करता है तथा साथ ही शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को होने वाली क्षति को भी कम करता है। शरीर से एच.आई.वी.को पूरी तरह से निकालने के लिए कोई उपाय नहीं है। अन्य दवाएँ अवसरवादी संक्रमणों को रोक या उनका उपचार कर सकती हैं। अधिकतर मामलों में ये दवाएँ अच्छा कार्य करती हैं। नई प्रभावकारी ए.आर.वी. दवाएँ सी.डी. फोर.कोशिकाओं की संख्या में वृद्वि करती हैं जो की अधिकतर अवसरवादी संक्रमणों को होने से रोकने में सहायक होती हैं। यद्यपी कुछ अवसरवादी संक्रमणों का उपचार अभी भी कठिन है। अवसरवादी संक्रमणों पर अधिक जानकारी के लिए फैक्ट शीट 500 को देखें।

28 सितम्बर 2007 को पुनर्विलोकन किया गया।